भारत सरकार **लोक सभा**
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय **अतारांकित प्रश्न सं. 3831**
वाणिज्य विभाग

दिनांक 11 अगस्त, 2026 को उत्तर दिए जाने के लिए

मिर्च निर्यात सुविधाएं

3831. श्री मगुंटा श्रीनिवासुलू रेड्डी:

क्या **वाणिज्य और उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विगत पांच वर्षों के दौरान आन्ध्र प्रदेश से मिर्च निर्यात की मात्रा और मूल्य कितना है और प्रमुख निर्यात गंतव्य कौन-कौन से हैं और कुल निर्यात में उनका वर्ष-वार हिस्सा कितना है;
(ख) विगत पांच वर्षों के दौरान आन्ध्र प्रदेश से मिर्च के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा वर्ष-वार क्या उपाय किए गए हैं जिनमें गुणवत्ता सुधार, मूल्यवर्धन, ब्रांडिंग, पैकेजिंग, बाजार पहुंच और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेलों में भागीदारी के लिए प्रदान की गई सहायता शामिल है;
(ग) आन्ध्र प्रदेश में उपलब्ध मिर्च परीक्षण, गुणवत्ता प्रमाणन, अवशेषों के परीक्षण और निर्यात सुविधाओं का जिला-वार ब्यौरा क्या है और क्या सरकार प्रमुख मिर्च उत्पादक जिलों में जिला-वार अतिरिक्त सुविधाएं स्थापित करने पर विचार कर रही है; और
(घ) क्या सरकार ने आन्ध्र प्रदेश से मिर्च के निर्यात को प्रभावित करने वाली चुनौतियों का आकलन किया है जिनमें अंतर्राष्ट्रीय मांग में उतार-चढ़ाव, गुणवत्ता मानक, स्वच्छता और पादप स्वच्छता संबंधी आवश्यकताएं और संभार तंत्र संबंधी बाधाएं शामिल हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संबंध में क्या सुधारात्मक उपाय किए गए हैं?

उत्तर
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री जितिन प्रसाद)

(क) पिछले पांच वर्षों के दौरान आन्ध्र प्रदेश से मिर्च के निर्यात की मात्रा और मूल्य का वर्ष-वार ब्यौरा अनुबंध-I में संलग्न है। पिछले पांच वर्षों के दौरान आंध्र प्रदेश से मिर्च के निर्यात के लिए प्रमुख गंतव्यों और आंध्र प्रदेश से मिर्च के कुल निर्यात में उनकी हिस्सेदारी का वर्ष-वार ब्यौरा अनुलग्नक-II के रूप में संलग्न है।

(ख) से (घ) स्पाइसेस बोर्ड निर्यात विकास के लिए प्रगतिशील, नवाचारी और सहयोगात्मक हस्तक्षेपों के माध्यम से मसाला क्षेत्र में स्थिरता (स्पाइस्ड) योजना के अंतर्गत मिर्च सहित मसालों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए आंध्र प्रदेश सहित देश भर में कार्यक्रमों का कार्यान्वयन करता है। इस स्कीम के अंतर्गत, स्पाइसेस बोर्ड प्रसंस्करण और मूल्यवर्धन के लिए अवसंरचना विकास, इन-हाउस प्रयोगशालाओं की स्थापना/उन्नयन, मसाला पार्कों के माध्यम से सामान्य प्रसंस्करण और वेयरहाउसिंग, स्पाइस इनक्यूबेशन केंद्रों के माध्यम से नवीन मसाला उत्पादों के विकास, खाद्य सुरक्षा और गुणवत्ता आश्वासन तंत्र/प्रमाणन के कार्यान्वयन और प्राथमिक प्रसंस्करण उपकरणों की स्थापना के लिए सहायता प्रदान करता है। बोर्ड फसल कटाई के बाद मशीनीकरण और निर्यात योग्य अधिशेष उत्पन्न करने के लिए सुखाने की बेहतर सुविधाओं के लिए किसानों, किसान समूहों और एफपीओ को भी सहायता देता

है और बाजार संबंधों को मजबूत करने के लिए क्रेता-विक्रेता बैठकें आयोजित करता है। इसके अलावा, बोर्ड प्रमुख व्यापार मेलों में निर्यातकों की भागीदारी की सुविधा प्रदान करता है और अच्छी प्रथाओं, खाद्य सुरक्षा और गुणवत्ता आवश्यकताओं पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित करता है। बोर्ड ने आंध्र प्रदेश के 373 निर्यातकों को पंजीकृत किया है, जिसमें प्रसंस्करण और मूल्यवर्धन सुविधाओं के साथ 18 निर्माता निर्यातक शामिल हैं, और गुंटूर, आंध्र प्रदेश में एक गुणवत्ता मूल्यांकन प्रयोगशाला और मसाला पार्क के अलावा गुंटूर और पडेरू में कार्यालय स्थापित किए हैं। पिछले पांच वर्षों के दौरान आंध्र प्रदेश में स्टेकहोल्डरों को बोर्ड की योजना के तहत प्रदान की गई वित्तीय सहायता का वर्ष-वार ब्यौरा अनुलग्नक-III में दिया गया है।

स्पाइसेस बोर्ड, निर्यात के लिए अपनी गुणवत्ता मूल्यांकन प्रणाली के तहत, चुनिंदा गंतव्यों के लिए मिर्च सहित चुनिंदा मसालों की निर्यात खेपों का गुणवत्ता मूल्यांकन करता है ताकि आयात करने वाले देशों के गुणवत्ता विनिर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जा सके। बोर्ड ने आंध्र प्रदेश के गुंटूर में एक गुणवत्ता मूल्यांकन प्रयोगशाला (क्यूईएल) सहित देश के प्रमुख उत्पादन/निर्यात केंद्रों में 8 अत्याधुनिक गुणवत्ता मूल्यांकन प्रयोगशालाओं (क्यूईएल) की स्थापना की है, और पूरे भारत में एनएबीएल मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं को भी सूचीबद्ध किया है ताकि भारत से विभिन्न गंतव्यों में निर्यात किए जा रहे मसालों और मसाला उत्पादों की गुणवत्ता और सुरक्षा अनुपालन के लिए परीक्षण और मूल्यांकन सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। निर्यात खेपों की जांच विषाक्त पदार्थों, संदूषकों, अवशेषों आदि सहित ज्ञात और उभरती गुणवत्ता और सुरक्षा चिंताओं के लिए की जाती है। साथ ही, बोर्ड के गुणवत्ता मूल्यांकन कार्यक्रम के तहत मसालों, मानदंडों और गंतव्यों को आयात करने वाले देश के मानकों, संभावित और उभरते जोखिमों आदि के आधार पर समय-समय पर संशोधित किया जाता है। वर्ष 2021-22 से 2025-26 के दौरान, गुणवत्ता मूल्यांकन प्रणाली के तहत मिर्च की निर्यात खेपों से 2,95,600 नमूनों का विश्लेषण किया गया था, जिनमें से 43,415 नमूनों का मूल्यांकन आंध्र प्रदेश के गुंटूर में बोर्ड की क्यूईएल द्वारा किया गया था। इसके अलावा, बोर्ड खाद्य सुरक्षा और गुणवत्ता आवश्यकताओं को विकसित करने के लिए हितधारकों को संवेदनशील बनाने के लिए क्षमता निर्माण और बाजार लिंकेज कार्यक्रम भी आयोजित करता है, और पिछले पांच वर्षों के दौरान 5,350 से अधिक हितधारकों को लाभान्वित करने वाले 88 ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए गए।

*****

अनुलग्नक -I

11.08.2026 को उत्तर के लिए लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 3831 के भाग (क) के उत्तर में संदर्भित अनुलग्नक

पिछले पांच वर्षों के दौरान आंध्र प्रदेश से मिर्च और मिर्च उत्पादों का निर्यात		
वर्ष	**मात्रा (एमटी)**	**मूल्य (अमेरिकी मिलियन डॉलर)**
2021-22	240066.70	528.57
2022-23	227713.27	615.58
2023-24	274841.62	736.96
2024-25	287180.04	582.19
2025-26	296733.18	551.27

स्रोत: स्पाइसेस बोर्ड

अनुलग्नक -II

11.08.2026 को उत्तर के लिए लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 3831 के भाग (क) के उत्तर में संदर्भित अनुलग्नक

पिछले पांच वर्षों के दौरान आंध्र प्रदेश से मिर्च के निर्यात के लिए प्रमुख गंतव्यों और आंध्र प्रदेश से मिर्च के कुल निर्यात में उनकी हिस्सेदारी का विवरण					
देश	**2021-22**	**2022-23**	**2023-24**	**2024-25**	**2025-26**
चीन पी आर	36%	31%	33%	35%	30%
बांग्लादेश	11%	16%	17%	15%	15%
थाईलैंड	13%	14%	13%	12%	15%
श्रीलंका डीएसआर	10%	9%	9%	9%	12%
इंडोनेशिया	9%	10%	9%	6%	6%
मलेशिया	8%	8%	6%	5%	6%
यूएसए	3%	2%	2%	3%	3%
अन्य	10%	10%	11%	15%	13%

स्रोत: स्पाइसेस बोर्ड

अनुलग्नक -III

11.08.2026 11.08.2026 को उत्तर के लिए लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 3831 के भाग (ख) के उत्तर में संदर्भित अनुलग्नक

पिछले पांच वर्षों के दौरान आंध्र प्रदेश में हितधारक को स्पाइसेस बोर्ड की योजना के तहत प्रदान की गई वित्तीय सहायता का वर्ष-वार ब्यौरा	
वित्तीय वर्ष	**प्रदान की गई सहायता (लाख रु.)**
2021-22	56.36
2022-23	26.21
2023-24	53.02
2024-25	112.44
2025-26	128.40

स्रोत: स्पाइसेस बोर्ड

*****